प्रभात झा, सांसद
संपादक

कमल संदेश
पाक्षिक

प्रति,

भोपाल.दिनांक–18.02.2013

श्री प्रणव मुखर्जी जी
महामहिम राष्ट्रपति
भारत सरकार, नई दिल्ली.

विषयः–प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश श्री मार्कंडेय काटजू द्वारा पत्रकार श्री दीपक चौरसिया एवं भारत के गुजरात के तीसरी बार निर्वाचित मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रख्यात कानूनविद् श्री अरूण जेटली के बारे में दिये गये विवादास्पद बयान के संबंध में।

महोदय,

पिछले कुछ वर्षों में प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री काटजू द्वारा लगातार भारतीय नेतृत्व एवं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के बारे में की जा रही अभद्र टिप्पणियों से हम सभी भारतीयों का सिर शर्म से झुक रहा है हाल ही में उनके द्वारा अपने लेख में श्री नरेन्द्र मोदी (मुख्यमंत्री गुजरात) के खिलाफ की गई टिप्पणी न केवल निंदनीय है अपितु न्यायाधीश की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। जो कुछ भी उन्होनें श्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष प्रख्यात कानूनविद् श्री अरूण जेटली के बारे में अपने लेख लिखा है वह श्री जेटली जी के लिऐ नही वरन् समूचे भारत के लिऐ चिंता का विषय है।

पूर्व न्यायाधीश श्री काटजू ने श्री अरूण जेटली पर, इंडिया न्यूज के एडिटर–इन–चीफ श्री दीपक चौरसिया, जो कि भारतीय पत्रकारिता के नामवर हस्ताक्षर है, द्वारा पूछे गये सवाल पर घर बुलाकर, जिस तरह अशोभनीय व्यवहार किया गया वह उनके न्यायाधीश होने पर आशंका व्यक्त करता है। भारत में किसी भी पूर्व न्यायाधीश का ऐसा अशोभनीय, असंवेदनशील, अमानवीय व्यवहार और इस तरह की राजनैतिक टीका टिप्पणी कभी न देखने में आयी न सुनने में।

मुझे याद है भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश स्व.श्री रंगनाथ मिश्र जब राज्यसभा में आये थे तो उन्होने अपने को राजनैतिक टिप्पणियों से दूर रखा परंतु श्री काटजू का संवैधानिक पद पर होने के बाद भी जिस तरह का व्यवहार पिछले कुछ वर्षों में सामने आया है वह उनके मानसिक असंतुलन का परिचायक है। मेरा आपसे विनम्र आग्रह है कि भारत की पत्रकारिता, संविधान के सम्मान, प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया की गरिमा, साथ की किसी पूर्व न्यायाधीश की विश्वसनीयता से जनता का विश्वास न उठे।

प्रभात झा, सांसद
संपादक

कमल संदेश
पाक्षिक

मा. राष्ट्रपति महोदय आप भी वर्षों तक राज्यसभा मे हमारे नेता रहे हैं, आप के संसदीय ज्ञान को देखकर हम भले ही भाजपा के कार्यकर्ता हैं, आपके और हमारे सदैव वैचारिक मतभेद होने के बाद भी एक अलग दर्जे का सम्मान बना रहा है। मैने देखा है आपसे कभी कोई बात गुस्से में निकल भी जाती थी तो आप तत्काल सदन की गरिमा का ध्यान रखते हुए खेद प्रकट करते थे।

मुझे यह पत्र इसलिए लिखना पड़ रहा है कि मै मूलतः पत्रकार ही रहा हूं और यह इंडिया न्यूज के प्रधान संपादक का अपमान नही बल्कि समूचे पत्रकारिता जगत व खबरपालिका का अपमान है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस विषय को गंभीरता से लेगें। आप सभी भारतीयों के विश्वास के केन्द्र हैं आप स्वयं भी श्री नरेन्द्र मोदी एवं श्री अरूण जेटली को जानते हैं आप निश्चित ही लोकतंत्र की गरिमा एवं सम्मान का ख़्याल रखते हुए कोई ना कोई ठोस कदम अवश्य ही उठाऐंगे।

आदर सहित .....

आपका

(प्रभात झा)